फणीश्वर 'रेणु' की औपन्यासिक कृतियों के अंतर्गत 'मैला आंचल' का संक्षिप्त विवरण

डॉ० सुषमा पाण्डेय

इस उपन्यास की कथा बिहार प्रांत के पूर्णिया जिले का मेरीगंज नामक एक गाँव की है। यह गाँव पिछड़ा, उपेक्षित, शोषित एवं विवश क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है। अगर देखा जाए तो इस उपन्यास के विस्तृत फलक में कहानी दो खण्डों (स्वराज्य से पहले तथा स्वराज्य के बाद) एवं सड़सठ सर्गों में विभक्त है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि रेणुजी अपने इस उपन्यास के माध्यम से स्वराज्य प्राप्ति के पहले के तथा बाद के समस्याग्रस्त भारतीय जीवन (मुख्यतः ग्रमीण) के आत्म–संघर्ष की बड़ी ही मार्मिक चित्र उपस्थित करने का सफल प्रयास किया है।